प्रेस विज्ञप्ति

जमीन पर रहना है तो आसमान छूने के बारे में सोचना होगा

हिन्दुस्तान कॉलेज में आई.आई.टी., दिल्ली से आये प्रो. पी. एम. बी. सुब्बारॉव का विशेष व्याख्यान

शारदा ग्रुप के प्रतिष्ठित संस्थान हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलोजी में ए.आई.सी.टी.ई और आई.एस.टी.ई, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित मकैनिकल इंजीनियरिंग विभाग में 'Energy Conversion Technology' पर 6 दिवसीय कार्यशाला के पंचम दिवस आई.आई.टी., दिल्ली से आये प्रो. पी.एम.बी. सुब्बारॉव ने सुप क्रिटिकल और उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल टेक्नोलॉजी पर अपना विशेष व्याख्यान दिया।

कार्यशाला के पंचम दिन के प्रथम सत्र में आई.आई.टी., दिल्ली से आये प्रो. पी. एम. बी. सुब्बारॉव ने अपने व्याख्यान में बताया कि किसी भी पॉवर प्लांट की क्षमता 50 प्रतिशत से कम होती है अर्थात हम जितना उपयोग कर रहे हैं उससे अधिक बर्बाद कर रहे हैं। यदि अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल तकनीकी का प्रयोग किया जाये तो पॉवर प्लांट की क्षमता 54 प्रतिशत तक आसानी से बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने बताया किसी भी प्रकार का परिवर्तन सजीव या निर्जीव में ऊर्जा रूपांतरण कहलाता है अगर रूपांतरण ठीक प्रकार से न किया जाये तो ये खतरनाक हो सकता है जैसे मोबाइल फोन चार्जिंग के वक्त ठीक प्रकार से चार्ज न होने की स्थित में मोबाइल फोन की बैटरी गर्म होकर विस्फोट कर सकती है।

उन्होंने बताया जो विश्व में जो भी युद्ध होंगे वो धन के लिए ना होकर ऊर्जा के लिये ही होंगे। उन्होंने प्रकृति के विभिन्न चक्रों के बारे में बताते हुये कहा कि अगर आपको जमीन पर रहना है तो आपको आसमान छूने के बारे में सोचना होगा। उन्होंने बताया क स्रोत मध्यवर्ती प्रणाली द्वारा ही संसाधन बनपाते हैं अर्थात बिना मध्यवर्ती प्रणाली के उनका उपयोग संभव नहीं है।

द्वितीय सत्र में आर.जे.आई.टी., टेकनपुर, ग्वालियर से आये प्रो. अजय बांगर ने नैतिक ऊर्जा पर विशेष व्याख्यान दिया। सकारात्मक ऊर्जा जोकि एक सकारात्मक विचारधार से उत्पन्न होती है, उल्लेखित करते हुये कहा कि नैतिक ऊर्जा विचारों के संवहन से उत्पन्न एक ऊर्जा का भंडार है जो प्रकृति में सकारात्मक कार्यों को सम्पन्न करने में सक्षम होती है।

सकारात्मक नैतिक ऊर्जा व्यक्ति से कठिन परिश्रम कराकर उसे सफलता के ऊँचे शिखर तक पहुँचा सकती है जबकि नाकारात्मक नैतिक ऊर्जा अवसाद की ओर ले जाती है। इसी संदर्भ में सकारात्मक नैतिक ऊर्जा के संरक्षण एवं संवहन को विशेष महत्व दिया जो कि सफल जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सत्र के अंत में डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. संदीप अग्रवाल एवं विभागाध्यक्ष श्री पुनीत मंगला ने आई.आई.टी., दिल्ली से आये प्रो. पी. एम. बी. सुब्बारॉव और आर.जे.आई.टी., ग्वालियर से आये प्रो. अजय बांगर को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

इस अवसर पर मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के समस्त शिक्षकगण एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।